भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1700
11 फरवरी, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

कोविड-19 के ओमिक्रॉन वैरियेंट का जीनोम अनुक्रमण

1700. डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:
श्री फ़िरोज़ वरुण गांधी:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओमिक्रॉन वैरियेंट का पता लगाने के लिए प्रति राज्य कितने प्रतिशत नमूनों का जीनोम अनुक्रमण किया जा रहा है तथा देश में जीनोम अनुक्रमण करने के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाओं की कुल संख्या कितनी है;
(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि ओमिक्रॉन मामलों के आधिकारिक आंकड़े देश में सही मायने में ऐसे मामलों की वास्तविक संख्या नहीं बताते हैं;
(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने कोविड की तीसरी लहर में ओमिक्रॉन मामलों की संख्या के वास्तविक आकलन की दिशा में कार्रवाई शुरू की है;
(घ) क्या सरकार ने टीके का बूस्टर डोज शुरू किया है, क्योंकि लोगों को इस वायरस के नए प्ररूपों के प्रकोप से बचाने के लिए पहले का डोज पर्याप्त नहीं है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ङ): वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा भारतीय आर्युविज्ञान अनुसांधन परिषद (आईसीएमआर) के साथ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तथा जैव-प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा संयुक्त रूप से आरंभ किया गया भारतीय सार्स कोव-2 ज़ीनोमिक संघ (इन्साकोग) सार्स कोव-2 में जीनोमिक परिवर्तनों की मॉनीटरिंग करने के लिए प्रयोगशालाओं का एक संघ है।

इस संघ का विस्तार 52 प्रयोगशालाओं में किया गया है। सार्स कोव-2 की समग्र जीनोमिक सिक्वेसिंग के माध्यम से नेटवर्क यह समझने में मदद करता है कि वायरस का विस्तार तथा इसकी उत्पत्ति किस प्रकार होती है और यह जन स्वास्थ्य प्रतिक्रिया की सहायता हेतु जानकारी प्रदान करता है। सुरक्षा संबंधी

निगरानी के लिए क्षेत्रीय सिक्वेसिंग प्रयोगशालाओं को एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम नेटवर्क के माध्यम से नमूने भेजने के लिए लगभग 300 सुरक्षा स्थलों को चिन्हित किया गया है।

सुरक्षा स्थलों से यह आशा की जाती है कि मानक नमूना संग्रहण अधिप्राप्ति के अनुसार चिन्हित किए गए आईजीएसएल को प्रत्येक 15 दिनों पर कम से कम 15 नमूने भेजें। इसके अतिरिक्त, वैक्सीन की विफलता, विशिष्ट नैदानिक प्रस्तुतियों, सुपर स्प्रेडर मामलों की सर्ज सेम्पिलिंग भी की जाती है। इसके अलावा, विदेश से प्रवेश कर रहे नए वेरिएंट (हाल ही के ओमिक्रॉन वेरिएंट सहित) की आशंका को ध्यान में रखते हुए, प्रविष्टि बिन्दु (पीओई) स्क्रीनिंग भी की जाती है।

ओमिक्रॉन वेरिएंट के प्रत्येक मामले का पता लगाना तथा पुष्टि करना जन स्वास्थ्य की दृष्टि से अपेक्षित नहीं है, परंतु उन जन स्वास्थ्य उपायों जिन्हें किया जाना अपेक्षित है, पर संसूचित निर्णय लेने के लिए प्रचलित वेरिएंट के बारे में जानकारी देना अभिप्रेत है। समग्र जीनोम सिक्वेसिंग के माध्यम से चिन्हित किए गए ओमिक्रॉन के कुल मामले देश में ओमिक्रॉन वेरिएंट के नए मामलों के अनुपात का सूचक है।

राष्ट्रीय टीकाकरण तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की अनुशंसाओं के अनुसार, 10 जनवरी, 2022 से उन स्वास्थ्य परिचर्या कर्मियों (एचसीडब्ल्यू), अग्रिम पंक्ति के कर्मियों (एफएलडब्ल्यू) और 60 वर्ष की आयु के व्यक्तियों तथा इससे अधिक आयु के सह-रूग्णता वाले उन व्यक्तियों को जिन्हें कोविड-19 की दो खुराकें लग गई हैं, एहतियाती खुराक लगानी आरंभ कर दी गई है।

*****